जामिया मिल्लिया इस्लामिया

10 मई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के जम्मू और कश्मीर के छात्र विशेष बस द्वारा श्रीनगर के लिए रवाना हुएः विश्वविद्यालय ने इसकी विशेष व्यवस्था की

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के हॉस्टलों में रह रहे जम्मू और कश्मीर के छात्र और छात्राएं आज विशेष बस से अपने घरों के लिए रवाना हुए। विश्वविद्यालय ने इसके लिए ख़ास व्यवस्था की। बस में छात्रों के साथ दो यूनिवर्सिटी गार्ड (एक्स आर्मी मैन) भी हैं। ये छात्र अचानक लाॅकडाउन की वजह से हॉस्टल में फंसे हुए थे और अपने घर नहीं जा पा रहे थे।

छात्रों, गार्ड और ड्राइवरों की कोरोना वायरस के संभावित लक्षणों या बुखार की मेडिकल जांच के लिए दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज और रिसर्च यूनिवर्सिटी भेजने से पहले विश्वविद्यालय परिसर में बस को पूरी तरह से सैनिटाइज़ किया गया।

कुलपति प्रो नजम अख्तर के निर्देश पर छात्रों को पानी, भोजन के पैकेट, हैंड सैनिटाइजर और मास्क दिए गए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये छात्र अब अपने घरों में सुरक्षित पंहुच कर अपने परिवार के साथ रहेंगे। छात्रों के रवाना होने के समय, जामिया के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) और उनकी टीम, चीफ प्रॉक्टर और उनकी टीम और प्रशासनिक कर्मचारी मौजूद थे।

विश्वविद्यालय बंद होने की वजह से हॉस्टल में रहने वाले छात्र अपने घर जाना चाहते थे और विश्विद्यालय प्रशासन से इसके लिए इंतेज़ाम करने की मांग कर रहे हैं। कोरोना महामारी के हालात सामान्य होने और लॉकडाउन की मियाद नहीं बढ़ने की स्थिति में, जामिया अगस्त 2020 में नियमित छात्रों के लिए फिर से खुल जाएगा और अगर हालात सामान्य रहे तो अंतिम सेमेस्टर / इअर के लिए ऑफ़लाइन परीक्षा जुलाई 2020 में होगी।

विश्वविद्यालय, हॉस्टल में रह रहे अन्य छात्रों को भी उन्हें विभिन्न राज्यों में उनके घरों में वापस भेजने के इंतेज़ाम कर रहा है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक